सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक: 55 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 31 मार्च, 2026
मूल्य ₹ 3/-

अगर कोई काली बिल्ली आपका रास्ता काटती है, तो इसका मतलब है कि वो कहीं जा रही है।
-ग्रुशो मार्क्स

आईपीएल में राजस्थान ने जीत से की... 7 | सियासी दलों में शुरू हुआ... 3 | 27 का यूपी विस चुनाव देश... 2

भ्रष्ट सिस्टम, सुनियोजित लूट
कालाबाजारियों की बल्ले-बल्ले
यूपी में 17 हजार छापें, 17 गिरफ्तार

» लाल सिलेंडर से काली कमाई
» पेट्रोल/डीजल से करोड़ों के वारे न्यारे!
» हैदराबाद के कब्रिस्तान में छिपाए गए 414 एलपीजी सिलेंडर जब्त, 10 गिरफ्तार
» अब पसरने लगा है युद्ध का असर, भारतीय मुद्रा में रिकार्ड गिरवाट
» गल्फ कंट्रीज से वापस लौटते श्रमिक

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लापरवाह सरकार, निरंकुश सिस्टम और बेबसी के आलम में जीता आम आदमी। जी हां यह कोई छोटी मोटी गड़बड़ी नहीं है बल्कि एक सुनियोजित लूट का तंत्र है जिसमें सिस्टम की सुस्ती और सरकार की ढिलाई खुलकर सामने आ रही है।

सवाल उठता है कि क्या सरकारें इतनी बेबस हैं कि कालाबाजारियों पर लगाम नहीं लगा पा रहीं या फिर यह सब उनकी आंखों के सामने ही हो रहा है? उत्तर प्रदेश में कालाबाजारियों पर पड़े 17 हजार से ज्यादा छापे इस बात का सबूत हैं कि खेल कितना बड़ा है। वही हैरत की बात है कि अब कब्रिस्तान सिलेंडर छुपाने की जगह के तौर पर इस्तेमाल होने की खबरें आ रही है। छापों की संख्या जितनी बड़ी है उतना ही बड़ा सवाल भी अगर कार्रवाई हो रही है तो फिर कालाबाजारी रुक क्यों नहीं रही?

कब्रिस्तान में सिलेंडर नहीं व्यवस्था की लाश दबी

हैदराबाद के पाश इलाके में जो सामने आया वह सिर्फ एक पुलिस कार्रवाई नहीं बल्कि पूरे सिस्टम की चीर-फाड़ है। बंजारा हिल्स के नागार्जुन चौराहे के पास कब्रिस्तान जहां लोगों की यादें दफन होती हैं वहीं सैकड़ों एलपीजी सिलेंडर छिपाकर काले बाजार का खेल खेला जा रहा था। 414 सिलेंडर, करीब 22 लाख का माल और 10 गिरफ्तारियां आंकड़े चौंकाते हैं लेकिन असली सवाल इससे भी ज्यादा खतरनाक है इतना बड़ा रैकेट कब्रिस्तान में पलता रहा और सिस्टम को भनक तक नहीं लगी? यह कोई छोटे स्तर का जुगाड़ नहीं था। घरेलू और कमर्शियल दोनों सिलेंडर अलग/अलग कैटेगरी पूरा स्टाक प्लानिंग के साथ छिपाया गया। 47 किलो से लेकर 5 किलो तक हर साइज का सिलेंडर मौजूद। मतलब साफ है कि यह कोई अचानक बना नेटवर्क नहीं बल्कि संगठित जमाखोरी का धंधा था जिसमें सप्लाई चेन से लेकर डिस्ट्रीब्यूशन तक सब सेट था। और इस पूरे खेल का मास्टरमाइंड गैस एजेंसी चलाने वाला शख्स यानी सिस्टम के भीतर बैठा वही खिलाड़ी निकला। पुलिस ने कार्रवाई की रैकेट पकड़ा यह अपनी जगह ठीक है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हर बार इसी तरह रेड के बाद कहानी खत्म हो जाएगी? या फिर यह सिर्फ बर्फ की चोटी है जिसके नीचे और बड़ा नेटवर्क छिपा है? क्योंकि जब तक सप्लाई के हर स्तर पर जवाबदेही तय नहीं होगी तब तक कब्रिस्तान बदलते रहेंगे लेकिन कालाबाजारी नहीं रुकेगी।

आर्थिक संकट नहीं जीने की जंग

आम आदमी के लिए यह सिर्फ आर्थिक संकट नहीं बल्कि जीने की जंग बन चुका है। एक तरफ रोजमर्रा की जरूरतें आसमान छू रही हैं तो दूसरी तरफ सिस्टम का भरोसा जमीन में गड़ता जा रहा है। हर संकट में आपदा को अवसर बनाने वालों की पौ बारह हो जाती है और आम आदमी हर बार की तरह ठगा रह जाता है। सवाल वही पुराना है कि क्या यह महज प्रशासनिक विफलता है या फिर एक ऐसा ढांचा तैयार हो चुका है जहां संकट भी मुनाफे का जरिया बन जाता है। यह सवाल सिर्फ सरकार से नहीं पूरे सिस्टम से है क्योंकि जब रसोई का चूल्हा बुझता है तब राजनीति के बड़े बड़े दावे भी राख में बदल जाते हैं।

कोरोना में भी यही हुआ था

अभी बहुत समय नहीं गुजरा है कोरोना काल की याद आते ही नजारा आखों के सामने घूम जाता है। तब भी दवाईयों से लेकर आक्सीजन सिलेंडर तक और एंबूलेंस से लेकर साग सब्जी तक सभी चीजों पर दोगुनी/चौगनी कीमत वसूली गयी थी। आज भी वही हो रहा है। सरकार कह रही है कि पेट्रोल/डीजल की कमी नहीं है तो फिर एलपीजी के जहाजों के आने की खबरें भी लगातार आ रही है तो फिर यह जानना जरूरी है कि इस क्राइसेस के पीछे कौन है? क्या यह मैन मेड समस्या है ? पेट्रोल पंप पर लंबी लाइन रसोई में खाली सिलेंडर और जेब में बढ़ती बेबसी। यह कोई अपवाद नहीं बल्कि आज के भारत की जमीनी सच्चाई है। सवाल सिर्फ महंगाई का नहीं बल्कि उस सिस्टम का है जो हर संकट के समय आम आदमी को उसके हाल पर छोड़ देता है। अब मध्य पूर्व के संकट की आहट के बीच फिर वही कहानी दोहराई जा रही है जहां 950 रुपये का गैस सिलेंडर 4 हजार में बिक रहा है और जिम्मेदार लोग या तो खामोश हैं या नाकाफी।

टूटता रूपया, छूटती नौकरियां

मध्य पूर्व में उठती जंग की लपटें अब भारत के आम आदमी की जेब तक पहुंच चुकी हैं। असर साफ है। रुपया रिकार्ड गिरावट की ओर फिसल रहा है और खाड़ी देशों में काम कर रहे लाखों भारतीय श्रमिकों की वापसी का सिलसिला तेज होने लगा है। जो कल तक विदेशी मुद्रा भेजकर घर चलाते थे आज खुद घर लौटने को मजबूर है। सवाल सिर्फ अंतरराष्ट्रीय संकट का नहीं बल्कि उस तैयारी का है जो हर बार ऐसे हालात में नदारद दिखती है। रुपये की कमजोरी का मतलब सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं है बल्कि यह सीधे महंगाई ईंधन की कीमत और रोजमर्रा के खर्च पर चोट है। दूसरी तरफ गल्फ से लौटते श्रमिक सिर्फ बेरोजगारी ही नहीं बल्कि टूटे हुए सपनों का बोझ भी लेकर आ रहे हैं। उनके पास न वहां काम बचा न यहां कोई ठोस व्यवस्था। हर बार की तरह इस बार भी सिस्टम प्रतिक्रिया में है तैयारी में नहीं। संकट आते ही नीतियां बनती है लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। सवाल सीधा है। क्या हम हर बार वैश्विक संकट के बाद ही जागेंगे या कभी पहले से तैयारी भी करेंगे?

यूपी में 17 हजार छापे, 17 गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश में सरकार सख्ती के दावे कर रही है हजारों छापे, दर्जनों गिरफ्तारियां और सैकड़ों पर कार्रवाई। कागजों पर सब कुछ चुस्त दिखता है लेकिन जमीन पर कहानी बिल्कुल उलट है। पेट्रोल पंप पर लंबी कतारें डीजल के लिए भटकते ट्रक और रसोई में महंगे सिलेंडर। यह बताने के लिए काफी है कि सिस्टम कहीं न कहीं बुरी तरह चूक रहा है। सवाल यह नहीं कि छापे कितने पड़े, सवाल यह है कि कालाबाजारी रुक क्यों नहीं रही?

छापे और गिरफ्तारियों पर उठे सवाल

12 मार्च से अब तक 17,581 जगहों पर छापेमारी और महज 17 गिरफ्तारियां। यह आंकड़ा खुद सवाल खड़ा करता है। क्या इतना बड़ा नेटवर्क सिर्फ इतने लोगों तक सीमित है या फिर असली खिलाड़ी अब भी पकड़ से बाहर हैं? 224 लोगों पर कार्रवाई का दावा भी तब फीका पड़ जाता है जब बाजार में लूट खुलेआम जारी रहती है। कार्रवाई अगर असरदार होती तो डर दिखता लेकिन यहां तो बेखौफ खेल जारी है। यह सिर्फ कानून/व्यवस्था का मामला नहीं बल्कि भरोसे का संकट है। आपदा अवसर बन जाती है और सिस्टम सिर्फ आंकड़े गिनाता रहे।

27 का यूपी विस चुनाव देश को बचाने का चुनाव है: अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले-भाजपा ने प्रदेश को लूटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बार फिर से प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि 2027 का विधानसभा चुनाव देश को बचाने का चुनाव है। यह लोकतंत्र और संविधान बचाने का चुनाव है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश को लूट लिया है। पूरी सरकार भ्रष्टाचार में डूबी है। भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार और लूट के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

पूरब से पश्चिम तक हर विभाग और हर कार्य में कमीशनखोरी और लूट है। बजट का पैसा विकास के बजाय भाजपा नेताओं की जेबों में जा रहा है। अखिलेश सोमवार को प्रदेश सपा मुख्यालय पर विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव को 2024 के लोकसभा चुनाव से भी बड़े अंतर से जीतना है। इसके लिए बूथ स्तर पर पूरी ताकत से काम करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव में भ्रष्ट तरीकों से लोकतंत्र की पवित्रता नष्ट करने की साजिश करती है।

पूर्व सीएम ने सिखों की सुनीं व्यथा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिलकर सिख समाज के प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा राज में हो रहे उत्पीड़न की शिकायत की। सिख नेता कुलदीप सिंह भुल्लर ने कहा कि हरिद्वार स्थित ऐतिहासिक श्री ज्ञान गोदड़ी गुरुद्वारा को वर्ष 1984 में हटा दिया गया था। उसे अभी तक बनाने की अनुमति और जगह नहीं दी गई है। प्रतिनिधिमंडल में बाबा जसवीर सिंह, बाबा काला सिंह, कश्मीर सिंह, निर्मलजीत सिंह, जसप्रीत सिंह आदि शामिल रहे।

अखिलेश यादव से नौजवान चंदन यादव ने भेंट की

अखिलेश यादव से नौजवान चंदन यादव ने भेंट की। चंदन यादव कुशीनगर के निवासी है, जो 23 मार्च से दौड़ते हुए 30 मार्च 2026 को लखनऊ पहुंचे।

मायावती ने संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा की

» पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को बसपा कार्यालय में पार्टी सुप्रीमो मायावती ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इसमें राज्य और जिला स्तर के प्रमुख पदाधिकारी शामिल रहे।

बैठक में पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने, आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और संगठनात्मक कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। इससे पहले बसपा ने पश्चिमी यूपी को नया राज्य बनाने की फिर पैरवी कर नई सियासी बहस छेड़ दी है। बसपा के गढ़ माने जाने वाले पश्चिमी यूपी में भाजपा के बढ़ते प्रभाव और सपा की सेंधमारी की कवायद ने इस क्षेत्र का सियासी पारा बढ़ा दिया है। यही वजह है कि रविवार को नोएडा में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से रैली के जरिये पश्चिमी यूपी में पैर जमाने की कोशिश का बसपा प्रमुख ने करारा जवाब दिया। वहीं, भाजपा को भी जता दिया कि इस क्षेत्र का बहुमुखी विकास बसपा सरकार में ही हुआ है। बीते दो दशकों के चुनाव नतीजों को देखें तो बसपा का इस क्षेत्र में खासा प्रभाव रहा है। बसपा सुप्रीमो खुद भी इसी इलाके से ताल्लुक रखती हैं। बसपा सरकार में नोएडा में बने स्मारकों, पार्कों, एक्सप्रेसवे आदि ने भी बड़ा बदलाव किया जिसका श्रेय बसपा को ही दिया जाता है। हालांकि, वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में यहां भाजपा सेंध लगाने में कामयाब रही। इससे बसपा को खासा नुकसान सहना पड़ा। यही स्थिति वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में भी रही। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा से गठबंधन करने से बसपा को पश्चिमी यूपी की कुछ सीटों पर जीती थी। पर, यह गठबंधन टूटने के बाद बसपा का हाल फिर खराब हो गया। अब बसपा फिर से इस इलाके में अपना पुराना वर्चस्व कायम करने की कवायद में जुटी है।

नालंदा: शीतला माता मंदिर में भगदड़, 9 महिलाओं की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के नालंदा जिले के मां शीतला मंदिर में भगदड़ की खबर है। बताया जा रहा है कि भगदड़ के कारण 9 महिलाओं की मौत हुई है। मृतकों में दो लोगों की पहचान हो गई है। नालंदा जिले के दीपनगर थाना क्षेत्र की ये घटना है। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है। मरने वालों में दो की पहचान हो गई है।

मृतकों की पहचान सकुन्त बिहार निवासी दिनेश रजक की पत्नी रीता देवी (50), मथुरापुर नूरसराय निवासी कमलेश प्रसाद की पत्नी रेखा देवी (45) के तौर पर हुई है. राज्य के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस घटना पर शोक जताया है। घायलों को इलाज के लिए मॉडल अस्पताल भेजा गया है। चैत्र महीने का आज आखिरी मंगलवार है। इसको लेकर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिर में जुटी थी। ये मंदिर बिहारशरीफ (नालंदा) से लगभग 5 किलोमीटर दूर मघड़ा गांव में स्थित है, चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी (शीतला अष्टमी) को मुख्य पूजा होती है. परंपरा है कि शीतला अष्टमी के दिन घरों में चूल्हा नहीं जलता है. भक्त माता को एक दिन पहले बना ठंडा भोजन (बासी) भोग लगाते हैं. अष्टमी के दिन यहां भारी भीड़ होती है, लोग लंबी कतारों में लगकर माता के दर्शन करते हैं।

संसद के दोनों सदनों में हंगामा

विपक्ष ने कई मुद्दों पर सरकार को घेरा, नक्सल व ओबीसी आरक्षण पर बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही कई महत्वपूर्ण मुद्दों और तीखी राजनीतिक नोकझोंक से भरपूर रही। एक ओर लोकसभा में दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता संशोधन विधेयक को मंजूरी मिली, वहीं राज्यसभा में आरक्षण, सशस्त्र बलों और अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष और सत्ता पक्ष आमने सामने दिखे।

वित्त मंत्री ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था मजबूत है और प्रधानमंत्री की वैश्विक साख सबसे ऊंची है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष देश को कमजोर दिखाने की कोशिश कर रहा है, जबकि आर्थिक संकेतक जैसे विकास दर, मुद्रास्फीति और घरेलू मांग मजबूत स्थिति में हैं। इसके अलावा, लोकसभा में वामपंथी उग्रवाद पर भी जोरदार बहस हुई। सत्ता पक्ष के सांसदों ने पूर्व की सरकारों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया और दावा किया कि वर्तमान सरकार देश को उग्रवाद मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार इस मुद्दे की आड़ में खनन हितों को बढ़ावा दे रही है और जमीनी समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है। राज्यसभा में भी दिन भर हंगामा और विरोध देखने को मिला। ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा सदस्य के बयान के विरोध में विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन किया। सत्ता पक्ष ने इस कदम को लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया और विपक्ष पर बहस से बचने का आरोप लगाया।

सांसद के. लक्ष्मण के बयान पर घमासान

राज्यसभा में भाजपा सांसद के. लक्ष्मण ने कुछ राज्यों द्वारा मुस्लिमों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी में शामिल कर आरक्षण के कथित दुरुपयोग का मुद्दा उठाया और सरकार से इस पर व्यापक समीक्षा कराने की मांग की। उनके बयान के विरोध में विपक्षी दलों ने सदन से बहिर्गमन किया। इस पर सदन के नेता और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के अन्य दल लोकतंत्र और संसदीय परंपराओं का सम्मान नहीं करते और केवल मुस्लिम वोट बैंक को मजबूत करने के लिए तुष्टीकरण राजनीति कर रहे हैं।

असम चुनाव के लिए दीपेंद्र हुड्डा करेंगे प्रचार

» कांग्रेस ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी बनाया स्टार प्रचारक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने आगामी असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है, जिसमें हरियाणा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा को भी शामिल किया गया है। असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए एकल चरण में 9 अप्रैल 2026 को मतदान होगा, जबकि परिणाम 4 मई 2026 को घोषित किया जाएगा।

कांग्रेस की 40 सदस्यीय स्टार प्रचारक सूची में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, भूपेश बघेल, अशोक गहलोत समेत कई प्रमुख राष्ट्रीय और प्रांतीय नेता शामिल हैं। दीपेंद्र हुड्डा को इस सूची में जगह देकर पार्टी ने असम में अपनी चुनावी रणनीति को मजबूत बनाने का संकेत दिया है। दीपेंद्र हुड्डा असम के विभिन्न क्षेत्रों में रैलियां और जनसभाएं संबोधित कर कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, हुड्डा की जनसंपर्क क्षमता और युवा नेतृत्व को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। असम कांग्रेस के स्थानीय नेताओं के साथ मिलकर दीपेंद्र हुड्डा पार्टी की चुनावी तैयारियों को और गति प्रदान करेंगे।

जेकेसीए मामले में मैं बेकसूर: फारूक अब्दुल्ला

» अदालत में वर्चुअल माध्यम से हुए पेश पूर्व मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन (जेकेसीए) में फंड के गलत इस्तेमाल के आरोपों पर खुद को बेकसूर बताया। तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके अब्दुल्ला श्रीनगर की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) तबस्सुम की अदालत में वर्चुअल माध्यम से पेश हुए।

मजिस्ट्रेट ने औपचारिक रूप से सीबीआई की ओर से उनके खिलाफ दायर चार्जशीट की बातें पढ़कर सुनाईं। जब अदालत ने डॉ. फारूक अब्दुल्ला से पूछा कि क्या उन्हें चार्जशीट की बातें समझाई गई हैं और क्या वे उन्हें समझ गए हैं तो उन्होंने हां में जवाब दिया। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे आरोपों को स्वीकार करते हैं तो अब्दुल्ला ने जवाब दिया, नहीं। मैं किसी भी आरोप का दोषी नहीं हूं। अदालत के आखिरी सवाल पर कि क्या वे कुछ और कहना चाहते हैं, उन्होंने कहा, मेरे पास कहने के लिए और कुछ नहीं है, सिवाय इसके कि ये आरोप मनगढ़ंत हैं। यह मामला जेकेसीए के भीतर फंड के कथित गलत इस्तेमाल से जुड़ा है। सीबीआई ने एक चार्जशीट दायर की है जिसमें अब्दुल्ला और कई अन्य लोगों पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से एसोसिएशन को दिए गए अनुदान से 43 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी करने का आरोप लगाया गया है। 12 मार्च को पिछली सुनवाई को अदालत ने सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस के संरक्षक के खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट को रद्द कर दिया था। इससे कुछ ही समय पहले अदालत ने उन्हें पेशी से छूट देने की उनकी अर्जी खारिज कर दी थी। 88 वर्षीय अब्दुल्ला ने उम्र से जुड़ी कई बीमारियों का हवाला देते हुए कहा था कि उन्हें हाई-रिस्क मेडिकल कैटेगरी में रखा गया है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव

सियासी दलों में शुरू हुआ टकराव

- पूरे विपक्ष ने पश्चिम एशिया संकट पर घेरा
- गैस सिलेंडर व तेल को लेकर सरकार पर प्रहार
- सरकार ने ईंधन पर घटाया उत्पाद शुल्क
- विपक्ष बोला- चुनावों से पहले यह कदम राजनीतिक रूप से प्रेरित
- कांग्रेस ने केरल सीएम पर बोला हमला
- दक्षिणी राज्यों में चुनावी सरगर्मी तेजी में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जैसै-जैसे पांच राज्यों के चुनाव नजदीक आने लगे हैं। तबसे सियासी सरगर्मी भी चढ़ती जा रही है। सबसे ज्यादा भाजपा व कांग्रेस में एक दूसरे पर वार-पलटवार तेज हो गया है। जहां पश्चिम एशिया संकट से भारत में गैस व तेल की किल्लत को लेकर पूरे विपक्ष ने एनडीए गठबंधन सरकार को व पीएम मोदी को घेरा हैं। वहीं दक्षिणी राज्यों में बीजेपी व कांग्रेस में नेक-टू-नेक फाइट हो रही है।

तमिलनाड़, केरल, कर्नाटक व आंध्र में दोनों पार्टियां खूब आपस में भिड़ रहीं हैं। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने विधानसभा चुनावों से पहले पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क कटौती को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है, उन्होंने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए इसे चुनावी लाभ का कदम करार दिया है। उधर केसी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि पिनराई विजयन प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ इसलिए नहीं बोल रहे हैं क्योंकि उन्होंने केंद्र के साथ पीएम-श्री योजना और श्रम संहिताओं पर समझौते किए हैं।

'यूडीएफ को मिलेगी भारी जीत'

केसी वेणुगोपाल ने कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा को सत्ता से बाहर करने के लिए संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा एकजुट है। उन्होंने कहा कि अगर यूडीएफ सत्ता में आती है तो वायनाड में 2024 के भूस्खलन पीड़ितों के लिए घरों का निर्माण पूरा किया जाएगा, जैसा कि कांग्रेस ने वादा किया है, उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि चार मई को परिणाम घोषित होने पर यूडीएफ वायनाड की सभी सीट पर भारी जीत दर्ज करेगा।

टीम इंडिया एक राष्ट्रीय विचार को मोदी ने नकारा

संजय राउत ने कहा कि टीम इंडिया का हिस्सा कौन है? टीम इंडिया एक राष्ट्रीय विचार है, लेकिन क्या प्रधानमंत्री देश के बारे में सोचते हैं? उनकी पार्टी में भी टीम भावना नहीं है। वे सर्वदलीय बैठक में उपस्थित नहीं थे। संकट की घड़ी में सभी दल एक साथ बैठे और विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार को समर्थन का आश्वासन दिया। हालांकि, केंद्र सरकार इस 'टीम इंडिया' के पाखंड को बढ़ावा दे रही है। टीम इंडिया के नेता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि संसद में संघर्ष के प्रभाव पर चर्चा हो और वे सवालों के जवाब दें। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। राउत ने महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता की नियुक्ति की महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की मांग को दोहराया और महायुति सरकार से पश्चिम एशिया संघर्ष के राज्य पर पड़ने वाले प्रभावों को संबोधित करने के लिए विपक्षी दलों के साथ सहयोग करने हेतु एक टीम महाराष्ट्र गठित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एक वास्तविक टीम महाराष्ट्र का गठन किया जाना चाहिए। जिसमें प्रमुख विपक्षी दल भी शामिल हो ताकि राज्य में मौजूदा संकटों का सामूहिक रूप से समाधान किया जा सके। इसके लिए, विपक्ष के नेता का औपचारिक रूप से चयन किया जाना चाहिए यह प्रक्रिया मुख्यमंत्री द्वारा शुरू और देखरेख की जानी चाहिए।

केरल सीएम पिनराई विजयन राज्य में राहुल गांधी के प्रभाव से डरे हुए हैं : वेणुगोपाल

केरल में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच कांग्रेस नेता के. सी. वेणुगोपाल ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर कुछ आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि केरल सीएम पिनराई विजयन राज्य में राहुल गांधी के प्रभाव से डरे हुए हैं और वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोल रहे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पिछले दो दिन से अपने संवाददाता सम्मेलनों में राहुल गांधी पर लगातार हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पिनराई विजयन जानते हैं कि केरल की जनता राहुल गांधी से कितना प्रभावित है इसलिए वह उनसे घबराए हुए हैं और जब वह लगातार राहुल गांधी पर निशाना साध रहे हैं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ भी कुछ तो कहना चाहिए।

भाजपा विधायक मुनिरत्न की डिप्टी सीएम पर व्यक्तिगत टिप्पणी को लेकर बवाल

कर्नाटक विधानसभा में उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार पर भाजपा विधायक मुनिरत्न द्वारा की गई व्यक्तिगत टिप्पणी को लेकर भारी हंगामा हुआ, जिसके बाद सत्ताधारी कांग्रेस ने इसे अनुचित व्यवहार बताते हुए अध्यक्ष से कार्रवाई की मांग की। शिवकुमार बेंगलुरु विकास मंत्री भी हैं। मुनिरत्न द्वारा शिवकुमार के खिलाफ कुछ टिप्पणियां किए जाने और शहर से संबंधित उनके द्वारा उठाए गए कुछ मुद्दों के जवाब मांगे जाने पर कांग्रेस विधायकों ने कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे ''अनुचित व्यवहार'' करार दिया। कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा में हंगामा किया और शिवकुमार के खिलाफ टिप्पणी करने वाले भाजपा विधायक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

दक्षिणी राज्यों में बीजेपी व कांग्रेस में नेक टू नेक फाइट

संकट पर सर्वदलीय बैठक में पीएम के न आने पर सवाल

पश्चिम एशिया संकट के बीच शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टीम इंडिया रणनीति की आलोचना करते हुए इसे पाखंड बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने स्थिति के बिगड़ने पर तैयारियों का आकलन करने के लिए मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक बुलाई और जोर देकर कहा कि टीम इंडिया के रूप में काम करने से देश चुनौतियों से पार पा सकेगा। शनिवार को मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए राउत ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति को मुद्दा बनाया। उन्होंने इस मामले पर संसदीय चर्चा की मांग की।

प्रधानमंत्री मोदी से सीएम की सांठ-गांठ

केसी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि पिनराई विजयन प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ इसलिए नहीं बोल रहे हैं क्योंकि उन्होंने केंद्र के साथ पीएम-श्री योजना और श्रम संहिताओं पर समझौते किए है। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन समेत अन्य मुख्यमंत्री अपने राज्यों की मांगों को मजबूती से उठा रहे हैं, निधि हासिल कर रहे हैं और विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ लड़ रहे हैं लेकिन केरल के मुख्यमंत्री का ध्यान केवल राहुल गांधी को निशाना बनाने पर केंद्रित है। केसी वेणुगोपाल ने कहा, केरल की जनता जानती है कि राहुल गांधी कौन हैं पत्तनमथिट्टा में एक समर्थक से जुड़ी कथित घटना का संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक लोकतांत्रिक पार्टी है और उसके नेता विजयन की तरह जनता के खिलाफ कठोर भाषा का इस्तेमाल नहीं करेंगे।

कांग्रेस के विधायकों ने जमकर हंगामा किया

कर्नाटक विधानसभा में सत्ताधारी कांग्रेस के विधायकों ने जमकर हंगामा किया और भाजपा विधायक पर उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बारे में व्यक्तिगत टिप्पणी करने और अनुचित व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए विधानसभा अध्यक्ष से उन पर कार्रवाई करने की मांग की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक मुनिरत्न के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। यह घटना उस समय घटी जब शिवकुमार बेंगलुरु से संबंधित मुददों पर हो रही चर्चा का जवाब दे रहे थे।

जब वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें सात बार गिरीं, तब भी कीमतों में कमी क्यों नहीं की गई : जयराम रमेश

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क कम करने के सरकार के फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि विधानसभा चुनावों से पहले यह कदम राजनीतिक रूप से प्रेरित है। एक पोस्ट में रमेश ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछले 12 वर्षों में, जब वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें सात बार गिरीं, तब भी भारत में उपभोक्ता ईंधन की कीमतों में कमी नहीं की गई। उन्होंने कहा कि आज की घोषणा विधानसभा चुनावों के कारण की गई है। 30 अप्रैल तक प्रतीक्षा करें। केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 के तहत जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क घटाकर 3 प्रति लीटर और डीजल पर उत्पाद शुल्क समाप्त करने के बाद ये टिप्पणियां की गई हैं। इसके अतिरिक्त, डीजल निर्यात पर 21.5 प्रति लीटर का अप्रत्याशित कर (विंडफॉल टैक्स) लगाया गया है। सरकार की यह कार्रवाई पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच आई है, जिसमें अमेरिका, इजराइल और ईरान शामिल हैं। इस तनाव के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी कर दी गई है, जो वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति के लगभग पांचवें हिस्से का संचालन करने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग है। संकट से पहले, भारत अपने तेल आयात का लगभग 12-15 प्रतिशत इसी मार्ग से प्राप्त करता था।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

इस समस्या का भी समाधान निकालना होगा

आज बंदरों का आंतक धार्मिक स्थलों के साथ अन्य स्थानों पर भी बढ़ता जा रहा है। शहरी आबादी के साथ किसान भी परेशान है। आज जरूरी हो गया है कि सरकार द्वारा बंदरों की आबादी कम करने के लिए अभियान चलाया जाए। बंदरों के ग्रुप लीडर की नसंबदी कराकर उनकी आबादी नियंत्रित की जाए।

बीजेपी सरकार का दावा है कि पिछले नौ साल में मंदिरों व उसके आस-पास के इलाकों को संवारा गया पर विकास के चक्कर में मंदिरों के आस-पास रहने वाले बंदरों का पुनर्वास नहीं किया गया जिसकी वजह उनके घर उजड़ गए और वह मंदिरों, आसपास की इमारतों में खुले में रहे रहे है और मंदिर में आने वालों पर कभी-कभी हमला कर देते है। सरकारों को इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। आज बंदरों का आंतक धार्मिक स्थलों के साथ अन्य स्थानों पर भी बढ़ता जा रहा है। शहरी आबादी के साथ किसान भी परेशान है। आज जरूरी हो गया है कि सरकार द्वारा बंदरों की आबादी कम करने के लिए अभियान चलाया जाए। बंदरों के ग्रुप लीडर की नसंबदी कराकर उनकी आबादी नियंत्रित की जाए। जनता के शोर मचाने पर बंदरों का पकड़कर जंगलों में छोड़ा जाना कोई स्थायी निदान नहीं है। ये जंगल और वनों से लौटकर फिर आबादी की ओर आ जाते हैं। बढ़ती बंदरों की आबादी को भोजन चाहिए। भोजन न मिलने पर उन्हें भी पेट भरना है। जैसे आदमी अपनी भोजन की जरूरत पूरी करने के लिए दूसरे साधन ढूंढ़ता है।

वैसे ही आज बंदर कर रहे हैं। तीर्थ स्थलों पर चश्मा छीन रहे हैं तो कुछ जगह श्रद्धालुओं को पकड़कर उनके बैग से भोजन ले रहे हैं। गांव और शहरों में भोजन के लिए कपड़े उठाकर ले जाना आम बात है। ये उठाए गए कपड़े तब छोड़ते हैं, जब उन्हें खाने की सामग्री मिल जाए। ये भी प्रश्न है कि वीवीआईपी के आने पर ही क्यों बंदरों को रोकने की व्यवस्था होती है। देश के आम आदमी को भी वीवीआईपी क्यों नहीं समझा जाता। उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी तो सरकार की है। उसके लिए क्यों नहीं ऐसी व्यवस्थाएं होती। बंदर हम हिंदुओं की श्रद्धा है। हम उसे पवित्र मानते हैं। पूजनीय मानते है। इतना होने पर भी उसके भोजन की व्यवस्था क्यों नही करते। अयोध्या में बड़ी तादाद में बंदर है। हनुमान गढ़ी पर मैंने बंदरों को फूलों की माला तोड़कर उसमें भोजन के अंश तलाशते देखा है। इसी शहर में डस्टविन से भोजन खोजते बंदर मुझे मिलें हैं। हमारी समाज सेवी संस्थाए क्यों नहीं इनके भोजन की जरूरत पूरी करती। बंदरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बढ़ती बंदरों की जनसंख्या को भोजन चाहिए। भोजन न मिलने पर वह निरीह प्राणी अपना पेट भरने के लिए कुछ तो करेगा। बंदरों के आतंक के कारण कई शहरों में तो महिलाओं और बच्चों का छतों पर जाना कठिन हो गया है। शहरों की नहीं अब तो जंगल में भी इनकी बढ़ती आबादी किसानों के लिए संकट बन चुकी है। भोजन के अभाव में बंदर खेतों की फसल तोड़कर खा रहे हैं। गेंहू की बाली खा जाते है। बोए गए गन्ने के बीज जमीन से निकाल कर वे अपनी उदरपूर्ति कर रहे हैं। किसान फसल की रक्षा को लेकर परेशान हैं। अब तो किसानों ने खेतों की रक्षा के लिए नौकर रखने शुरू कर दिए हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पाक की मध्यस्थता महज अवसरवाद

के.एस. तोमर

पाकिस्तान आज एक रणनीतिक विरोधाभास में फंसा हुआ है-एक ओर वह अपनी पश्चिमी सीमा पर तालिबान के साथ बढ़ते संघर्ष में उलझा है, वहीं दूसरी ओर डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के बीच मध्यस्थ के रूप में खुद को प्रस्तुत कर कूटनीतिक प्रासंगिकता दिखाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन इसकी विश्वसनीयता अभी भी संदिग्ध है और इसे अधिकतर सामरिक अवसरवाद के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, पाकिस्तान अपने हालिया इतिहास के एक अत्यंत जटिल रणनीतिक दौर से गुजर रहा है। उसके पश्चिमी पड़ोस में तेजी से बदलते घटनाक्रम-ईरान में अस्थिरता और अफगानिस्तान में तालिबान शासन के साथ बिगड़ते रिश्ते ने एक ऐसा भू-राजनीतिक दबाव पैदा कर दिया है, जिसे इस्लामाबाद न तो नजरअंदाज कर सकता है और न ही आसानी से संभाल सकता है।

दशकों तक 'रणनीतिक गहराई' का जो ढांचा पाकिस्तान ने तैयार किया था, वह अब टूटता हुआ दिख रहा है। उसकी जगह अब अनिश्चितता, आतंकी प्रतिक्रिया और सीमावर्ती जोखिमों ने ले ली है। पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा कभी शांत नहीं रही। ईरान से जुड़ी अस्थिरता इस्लामाबाद के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। ईरान केवल पड़ोसी ही नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक साझेदार भी है। दोनों देशों की सीमा बलूचिस्तान के कठिन इलाकों से गुजरती है, जहां अलगाववादी समूह और तस्करी नेटवर्क सक्रिय रहे हैं। ईरान में किसी भी बड़े संकट से सीमा पार आतंकी गतिविधियां बढ़ सकती हैं और पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान में हालात बिगड़ सकते हैं। पाकिस्तान की पुरानी ऊर्जा कमी ने ईरानी गैस को एक विकल्प बनाया है। हालांकि, प्रतिबंधों के कारण रुकी हुई ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन अब भी एक संभावित समाधान मानी जाती है। लेकिन ईरान में अस्थिरता इस संभावना को और कमजोर कर सकती है और पाकिस्तान की आर्थिक चुनौतियों को और जटिल बना सकती है।

इस समय पाकिस्तान में बड़ी शिया आबादी है और अतीत में सांप्रदायिक तनाव हिंसा में बदलता रहा है। ईरान से जुड़ा कोई भी लंबा संकट इन आंतरिक विभाजनों को भड़का सकता है और सामाजिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है। दशकों तक पाकिस्तान ने तालिबान के साथ संबंध इस उम्मीद में बनाए रखे कि काबुल में एक अनुकूल सरकार उसे रणनीतिक लाभ देगी। लेकिन 2021 में तालिबान की वापसी

ने अपेक्षित परिणाम नहीं दिए। इसके विपरीत, संबंध लगातार बिगड़ते गए हैं। मुख्य विवाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की मौजूदगी है, जो पाकिस्तान में कई हमलों के लिए जिम्मेदार है। इस्लामाबाद का आरोप है कि अफगान तालिबान उसे संरक्षण देता है। सीमा पार हमले और तीखी बयानबाजी ने स्थिति को खतरनाक बना दिया है। जो संबंध कभी वैचारिक निकटता का प्रतीक था, वह अब अविश्वास और सीमित सैन्य टकराव में बदल चुका है। डूरंड रेखा का विवाद भी इस तनाव को और गहरा करता है। तालिबान इसे मान्यता देने से इंकार करता है, जबकि पाकिस्तान इसे अपनी संप्रभुता का मुद्दा मानता है। इन दबावों के बीच कुछ सीमित अवसर भी दिखाई देते हैं। यदि ईरान बाहरी संकटों में उलझता है तो बलूच सीमा पर उसका ध्यान कम हो सकता है। अफगानिस्तान की आर्थिक कमजोरी तालिबान को पाकिस्तान के साथ व्यावहारिक समझौते की ओर धकेल सकती है। पाकिस्तान क्षेत्रीय मध्यस्थ के रूप में अपनी भूमिका बढ़ाने की कोशिश कर सकता है, जिससे उसकी प्रासंगिकता कुछ हद तक बढ़े। लेकिन यह रणनीति जोखिमों से भरी है और इसके परिणाम पूरी तरह अनिश्चित हैं। भारत के लिए यह स्थिति मिश्रित संकेत देती है। पाकिस्तान की पश्चिमी समस्याएं उसके संसाधनों पर दबाव डालती हैं, जिससे पूर्वी सीमा पर ध्यान कम हो सकता है। लेकिन यह अपने आप भारत के लिए लाभकारी नहीं है। इसलिए भारत इन घटनाक्रमों को सावधानी और संतुलन के साथ देख रहा है। चीन इस परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा उसके निवेश ढांचे का अहम हिस्सा है। पश्चिमी सीमा पर अस्थिरता इन योजनाओं के लिए खतरा है। चीन को चिंता है कि अफगानिस्तान के उग्रवादी नेटवर्क शिनजियांग को प्रभावित कर सकते हैं।

इसलिए वह इस्लामाबाद और काबुल के बीच संवाद को बढ़ावा देता है और आर्थिक सहयोग को स्थिरता का माध्यम मानता है। दरअसल, पाकिस्तान की चुनौती उसकी पुरानी रणनीति में है। दशकों तक उसने गैर-राज्य तत्वों का उपयोग किया, जो अब उसके लिए ही चुनौती बन गए हैं। यह स्पष्ट रूप से रणनीतिक 'ब्लोबैक' की स्थिति है। विकल्प केवल रणनीतिक पुनर्संतुलन है-क्षेत्रीय सहयोग, आर्थिक एकीकरण और उग्रवाद से दूरी। लेकिन यह परिवर्तन कितना संभव है, यह अभी अनिश्चित है।

बढ़ने लगी है विदेशी छात्रों की तादाद

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

वर्ष 2030 तक भारत आने वाले विदेशी छात्रों की संख्या में हर साल लगभग आठ प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी का अनुमान है। जहां वर्ष 2022 में 39 हजार से अधिक विदेशी छात्र भारत आए थे, वहीं वर्तमान में लगभग 200 देशों के 72 हजार से अधिक विदेशी छात्र भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत हैं।

हाल ही में 25 मार्च को वैश्विक उच्च शिक्षा सेवाओं का मूल्यांकन करने वाली अग्रणी कंपनी ब्रिटेन स्थित क्यूएस क्वाक्वेरेली साइमंड्स द्वारा प्रकाशित 16वीं वार्षिक रिपोर्ट में वर्ष 2025 में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी की रैंकिंग में भारतीय शैक्षणिक संस्थानों का अभूतपूर्व प्रदर्शन रहा है। भारत ने इस साल विभिन्न विषयों और संकाय क्षेत्रों में शीर्ष 50 में से 27 स्थान हासिल किए हैं, जो कि पिछले वर्ष 2024 में दर्ज किए गए 12 स्थानों की तुलना में दोगुने से भी अधिक हैं। कह सकते हैं कि यह रैंकिंग भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली की बढ़ती वैश्विक साख और भविष्य की संभावनाओं को दर्शाती है। रिपोर्ट के अनुसार भारत एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा गंतव्य देश बनने की ओर अग्रसर है।

साथ ही वर्ष 2030 तक भारत आने वाले विदेशी छात्रों की संख्या में हर साल लगभग आठ प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी का अनुमान है। जहां वर्ष 2022 में 39 हजार से अधिक विदेशी छात्र भारत आए थे, वहीं वर्तमान में लगभग 200 देशों के 72 हजार से अधिक विदेशी छात्र भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत हैं। अब केंद्र सरकार ने 'स्टडी इन इंडिया' पहल के तहत 2030 तक प्रतिवर्ष 2 लाख विदेशी छात्रों को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा है। नि:संदेह, भारत वैश्विक शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित होने की राह पर आगे बढ़ रहा है। अब हर साल बड़ी संख्या में गुणवत्तापूर्ण कौशल, अनुसंधान सुविधाओं और उच्च शिक्षा के बाद विदेश में ही करिअर के अवसरों को पाने के मद्देनजर विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या लगातार घट रही है। भारत में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़ने की कई वजहें हैं। सरकार ने पिछले कुछ सालों में 'नेशनल एजुकेशन पॉलिसी' (एनईपी) 2020 के जरिए शिक्षा व्यवस्था में सुधार किए गए हैं। एनईपी के तहत एजुकेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड करने, मान्यता देने की व्यवस्था मजबूत करने, रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ावा देने और डिजिटल एजुकेशन का विस्तार करने का अभियान लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है।

ऐसे गुणात्मक सुधार से भारत के शिक्षा संस्थानों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अधिक मान्यता मिल रही है। वैश्विक स्तर की शिक्षा व्यवस्था को भारत में लाने के मद्देनजर 19 विदेशी यूनिवर्सिटीज को भारत में कैंपस स्थापित करने की इजाजत दी गई है। इससे जिस वैश्विक शिक्षा के लिए पहले छात्रों को विदेश जाना पड़ता था, अब वही शिक्षा आसानी से भारत में ही मिलने की व्यवस्था सुनिश्चित हुई है। निश्चित रूप से विदेशी यूनिवर्सिटीज को भी भारत में बड़ी संख्या में छात्र मिलने का लाभ है। भारत में उच्च शिक्षा की मांग में तेजी से वृद्धि हो रही है।

चूंकि वैश्विक यूनिवर्सिटीज भारत में डिग्री प्रदान कर सकती हैं, अतएव छात्रों के लिए विदेश जाने के खर्च और अनिश्चितताओं के बिना अंतर्राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भारत में ही लेना लाभप्रद है। इतना ही नहीं, भारतीय छात्रों के लिए शिक्षा के प्रमुख गंतव्य देश, खासकर अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में आव्रजन नियमों में सख्ती आई है और वीजा जांच के अलावा वित्तीय लागत बढ़ गई है। हाल ही में प्रकाशित अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट की रिपोर्ट मार्च 2026 के मुताबिक पिछले वर्ष जनवरी से अगस्त 2025 के बीच अमेरिका द्वारा परमानेंट रेजिडेंट और टेंपरेरी वीजा मंजूरी में साल भर पहले की तुलना में 11 फीसदी की कमी आई है। इतना ही नहीं अमेरिका में जो छात्र अध्ययनरत हैं, उनके लिए भी रोजगार ढूंढ़ना मुश्किल हो गया है। सरकार हरसंभव तरीके से भारत को वैश्विक शिक्षा व डिजिटल शिक्षा का केंद्र बनाने के लिए प्रयास कर रही है। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट के तहत शिक्षा व्यवस्था के विभिन्न आवंटनों को वैश्विक शिक्षा और अर्थव्यवस्था की वास्तविक जरूरतों के मद्देनजर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इनोवेशन, ऑटोमेशन, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल बिजनेस से सम्बद्ध करने संबंधी प्रभावी पहल की गई है।

भारत के पास बदलते हुए दौर में उच्च शिक्षा का वैश्विक केंद्र बनने के अवसर मौजूद हैं। देश को शिक्षा के तहत आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में तेजी से उन्नत कौशल विकसित करने की रणनीति अपनाना होगी। देश में वैश्विक शिक्षा को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण बनाकर खासतौर से एशिया, अफ्रीका, पश्चिम एशिया सहित कई विकसित और विकासशील देशों के छात्रों के कदम भारत की यूनिवर्सिटीज की ओर मोड़ने के लिए प्रयास करने होंगे। भारत को इंजीनियरिंग, प्रबंधन, स्वास्थ्य विज्ञान, डिजाइन, मीडिया और उभरती प्रौद्योगिकियों की वैश्विक शिक्षा का हब बनाने के विशेष प्रयत्न करने होंगे। देश की यूनिवर्सिटीज को उद्यमिता, नवाचार, अनुसंधान की गुणवत्ता, प्रयोगशालाओं में निरंतर निवेश, वैश्विक संस्थानों के साथ आसान सहयोग, नियामक ढांचों के लिए कठोर मानकों के साथ यूनिवर्सिटिज को अधिक स्वायत्तता से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना होगा।

वजन को रखें कंट्रोल

शारीरिक गतिविधि घटने से वजन बढ़ता है और हृदय, शुगर व ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए शरीर का अधिक वजन, घुटने के दर्द को बढ़ाने वाला हो सकता है। यह गठिया के भी कारणों में से एक है। वजन अधिक होने से जोड़ों पर दबाव बढ़ता है जिससे वहां की मांसपेशियां प्रभावित हो सकती हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि अगर नियमित व्यायाम किया जाए तो यह वजन को कंट्रोल में रखने और आर्थराइटिस के खतरे को कम करने में मदद कर सकती है।

व्यायाम जरूरी

नियमित व्यायाम की आदत आपके घुटने की समस्याओं को कम करने में मददगार हो सकती है। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग व्यायाम, क्वाड्रिसेप्स और हैमस्ट्रिंग की मांसपेशियों को केंद्रित करती है, जिससे दर्द को कम करने में मदद मिल सकती है। शरीर के सक्रिय रहने से वजन को नियंत्रित करने और मांसपेशियों को स्वस्थ रखने में मदद मिलती है, इससे भी घुटनों को स्वस्थ रखा जा सकता है। गठिया जैसी समस्याओं से बचाने में भी व्यायाम की भूमिका महत्वपूर्ण है।

जूतों का सही चयन जरूरी

घुटने में होने वाला दर्द वैसे तो गंभीर नहीं होता लेकिन चोट, ऑस्टियोआर्थराइटिस, जोड़ों में तनाव आदि का अगर समय रहते इलाज न किया जाए तो इसके गंभीर रूप लेने का खतरा हो सकता है। इसलिए अक्सर हम सभी ध्यान नहीं देते हैं पर खराब क्वालिटी के जूते, ऊंची एड़ी वाली सैंडिल भी जोड़ों और घुटनों में समस्याओं का कारण बन सकती हैं। इसलिए अच्छे और आरामदायक जूते पहनें। विशेषतौर पर जिन लोगों को गठिया की दिक्कत है उन्हें इसपर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। सही जूते एड़ी और घुटनों की कई प्रकार की समस्याओं से आपको बचाने में मददगार हो सकते हैं।

घुटनों में दर्द

घुटने और जोड़ों के दर्द की समस्या आम होती जा रही है। पहले ये अक्सर बुजुर्गों में देखी जाती थी पर जिस तरह से लोगों की लाइफस्टाइल खराब हो गई है, युवाओं में भी जोड़ों की समस्याएं काफी बढ़ गई है। ऑफिस में लंबे समय तक बैठकर काम करना, अधिक वजन और शारीरिक गतिविधियों में कमी के चलते बड़ी संख्या में लोग दर्द से परेशान देखे जा रहे हैं। घुटना हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण जोड़ होता है, जो चलने, उठने-बैठने, सीढ़ियां चढ़ने और रोजमर्रा के कामों में मदद करता है। यही कारण है कि घुटनों में होने वाली किसी भी समस्या का असर पूरे शरीर पर पड़ सकता है। समय रहते इसके कारणों को समझना और सही इलाज करना जरूरी है। इसे अगर नजरअंदाज कर दिया जाए तो सर्जरी तक की नौबत आ सकती है। घुटने और जोड़ों के दर्द का सबसे बड़ा कारण ऑस्टियोआर्थराइटिस है, इसमें समय के साथ जोड़ों की कार्टिलेज घिसने लगती है। इस तरह की दिक्कतों से बचे रहने के लिए कम उम्र से ही सतर्क हो जाना चाहिए।

अखरोट जैसे आहार का करें सेवन

घुटनों का दर्द पूरे शरीर को प्रभावित कर सकता है। दर्द के कारण चलना-फिरना कम हो जाता है, जिससे मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। इसलिए ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर आहार जैसे अखरोट, अलसी और मछली सूजन कम करने में मदद करते हैं। वहीं कैल्शियम और विटामिन-डी हड्डियों को मजबूत बनाते हैं। इससे भरपूर चीजों को नियमित रूप से आहार का हिस्सा बनाएं। ये पोषक तत्व शरीर को स्वस्थ रखने के साथ घुटनों की दिक्कतों को भी कम करते हैं। इसके अलावा प्रोसेस्ड फूड और ज्यादा नमक-सुगर सूजन बढ़ा सकते हैं, इसलिए इनसे बचना चाहिए।

है तो करें ये काम

हंसना मना है

डॉक्टर ने आदमी से पुछा, क्या आप का और आपकी बीवी का खून एक ही है? आदमी ने कहा, क्यों नहीं? ज़रूर होगा! पचास साल से मेरा ही खून जो पी रही है।

पति- अल्लाह ने तुम्हें 2 आंखे दी हैं, चावल से पत्थर नही निकाल सकती? पत्नी- अल्लाह ने तुम्हें 32 दांत दिए है, 2-4 पत्थर नहीं चबा सकते?

अर्ज है- रोज-रोज वजन नापकर क्या करना है, एक दिन तो सबने मरना है, चार दिन की है जिंदगी, खा लो जी भर के, अगला जन्म फिर 3 किलो से शुरू करना है!

थप्पड मारने पर नाराज वाईफ से हसबेंड बोला-आदमी उसी को मारता है जिससे वो प्यार करता है। वाईफ ने हसबेंड को 2 थप्पड मारे और बोली आप क्या समझते है मैं आपसे प्यार नही करती।

वाईफ- प्लीज बाइक तेज ना चलाओ, मुझे डर लग रहा है। सरदार- अगर तुझे भी डर लग रहा है, तो मेरी तरह आंखें बंद कर ले।

पत्नी- डॉक्टर साहब.. मेरे पति को रात में बडबड़ाने की आदत है, कोई उपाय बतायें? डॉक्टर-आप उन्हें दिन में बोलने का मौका दिया करें..

कहानी | भीष्म पितामह के पांच चमत्कारी तीर

यह बात उस समय की है, जब कुरुक्षेत्र में कौरवों और पांडवों के बीच युद्ध चल रहा था। पितामह भीष्म कौरवों की ओर से युद्ध लड़ रहे थे, लेकिन कौरवों के सबसे बड़े भाई दुर्योधन को लगता था कि भीष्म पितामह पांडवों को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहते हैं। दुर्योधन का मानना था कि पितामह भीष्म बहुत शक्तिशाली हैं और पांडवों को मारना उनके लिए बहुत आसान है। इसी सोच में डूबा दुर्योधन, भीष्म पितामह के पास पहुंचा। दुर्योधन ने पितामह से कहा कि आप पांडवों को मारना नहीं चाहते, इसीलिए आप किसी शक्तिशाली हथियार का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। दुर्योधन की बात सुनकर भीष्म बोले, अगर तुम्हें ऐसा लगता है, तो मैं कल ही पांचों पांडवों को मार गिराऊंगा। मेरे पास पांच चमत्कारी तीर हैं, जिनका उपयोग मैं कल युद्ध में करूंगा। भीष्म पितामह की बात सुनकर दुर्योधन बोला, मुझे आप पर भरोसा नहीं है, इसलिए आप ये पांचों चमत्कारी तीर मुझे दे दीजिए। मैं इन्हें अपने कमरे में सुरक्षित रखूंगा।' भीष्म ने वो पांचों तीर दुर्योधन को दे दिए। दूसरी ओर श्रीकृष्ण को इस बात का पता चल गया। उन्होंने अर्जुन को इस बात की जानकारी दी। अर्जुन यह सुनकर घबरा गया और सोचने लगा कि इस मुसीबत से कैसे बचा जाए। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को याद दिलाया कि एक बार तुमने दुर्योधन को गंधर्वों से बचाया था, तब दुर्योधन ने तुमसे कहा था कि इस अहसान के बदले तुम भविष्य में मुझसे कुछ भी मांग सकते हो। यह सही समय है, तुम दुर्योधन से वो पांच चमत्कारिक तीर मांग लाओ। इस तरह तुम्हारी और तुम्हारे भाइयों की जान बच सकती है। अर्जुन को श्रीकृष्ण की सलाह बिल्कुल सही लगी। उसे दुर्योधन का दिया वचन याद आ गया। ऐसा कहा जाता है कि उस समय सब अपने दिए गए वचन जरूर निभाते थे। वचन तोड़ना नियम के खिलाफ माना जाता था। अर्जुन ने जब दुर्योधन को उसका दिया वचन याद दिलाया और पांच तीर मांगे, तो दुर्योधन मना नहीं कर सका। दुर्योधन ने अपना वचन निभाया और वो तीर अर्जुन को दे दिए। इस तरह श्रीकृष्ण ने अपने भक्त पांडवों की रक्षा की।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। किसी के व्यवहार से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। सहकर्मी साथ नहीं देंगे।

वृषभ डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा।

मिथुन कार्यस्थल पर परिवर्तन की योजना बनेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा।

कर्क तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा।

सिंह चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें।

कन्या किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

तुला स्थायी संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही प्राप्त होगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है।

वृश्चिक रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है।

धनु कानूनी अड़चन से सामना हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। आय बनी रहेगी।

मकर मित्रों का सहयोग करने का मौका प्राप्त होगा। मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें।

कुम्भ भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा।

मीन यात्रा मनोरंजक रहेगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। समय अनुकूल है।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म मेकर्स धुरंधर 2 को देखकर खुद को अपडेट करें : रामगोपाल

धुरंधर 2 को दर्शकों से काफी सपोर्ट मिल रहा है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। लेकिन बॉलीवुड के एक्टर्स की ओर से ज्यादा सराहना देखने को नहीं मिली, बल्कि फिल्म की साउथ के एक्टर्स ने काफी तारीफ की है। इसपर फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने बड़ा बयान दिया है। रविवार को राम गोपाल वर्मा ने एक्स पर एक लंबा नोट लिखा और फिल्म इंडस्ट्री के लोगों पर निशाना साधा कि वे फिल्म 'धुरंधर 2' की सफलता को लेकर खुलकर कुछ नहीं बोल रहे हैं। उन्होंने लिखा, 'अब जब आदित्य धर ने फिल्म इंडस्ट्री के नीचे एक एटॉमिक बम फोड़ दिया है, तो सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पूरी इंडस्ट्री की तरफ से सन्नाटा छाया हुआ है।' आगे उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि यह इसलिए है क्योंकि 'धुरंधर 2' के धमाके ने इंडस्ट्री के बाकी लोगों को इतनी दूर अंतरिक्ष में फेंक दिया है कि उनकी तालियां यहां तक पहुंच ही नहीं रही हैं, या फिर वे लोग इनकार में बैठे हैं और आपस में कह रहे हैं, 'यह सिर्फ प्रोपेगैंडा है, जल्दी खत्म हो जाएगा,' ताकि वे फिर से अपनी वही पुरानी फिल्में बनाना शुरू कर सकें। या फिर वे फिल्म की जबरदस्त क्वालिटी देखकर हैरान हैं और समझ नहीं पा रहे कि अब तक जो बना रहे थे या आगे बनाने वाले हैं, वह इसके सामने टिक नहीं पाएगा?' उन्होंने आगे कहा 'क्या यह समझदारी है कि आपके सामने खड़े एक डायनासोर जैसी फिल्म 'धुरंधर 2' को नजरअंदाज कर दिया जाए, जो अपनी बॉक्स ऑफिस की दहाड़ से जमीन हिला रही है और आग उगल रही है? कोई इतना भी कैसे नजरअंदाज कर सकता है?'आखिर में राम गोपाल वर्मा ने इंडस्ट्री के लोगों को सलाह दी कि वे इस फिल्म को गंभीरता से लें। उन्होंने लिखा, 'मेरी सभी साथियों से सलाह है कि 'धुरंधर 2' को बहुत गंभीरता से लें, इसे फिल्ममेकिंग के एक नए कोर्स की तरह समझें और खुद को अपडेट करें, नहीं तो 19 मार्च 2026 से पहले के सिनेमा के कब्रिस्तान में दफन होने का खतरा है।

शक्ति शालिनी में खलनायक की भूमिका निभाएंगे विनीत

बॉलीवुड | मसाला

मोस्ट एंटीसिपेटेड हॉरर फिल्म शक्ति शालिनी को पहले हीरोइन मिली और फिर हीरो। अब खबर है कि इस मोस्ट एंटीसिपेटेड फिल्म में खलनायक की भी एंट्री हो गई है। जी हां, हॉरर थ्रिलर शक्ति शालिनी में खलनायक को कास्ट कर लिया है। इस फिल्म में जिस अभिनेता को कास्ट में शामिल किया गया है, वह पहले भी बड़ी फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुके हैं। उन्होंने विक्की कौशल और सनी देओल की ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अहम भूमिका निभाकर लाइमलाइट बटोरी है।

शक्ति शालिनी मैडॉक हॉरर यूनिवर्स की अगली फिल्म है। आयुष्मान खुराना की फिल्म थामा की रिलीज के वक्त ही शक्ति शालिनी की अनाउंसमेंट हो गई थी। तभी अनीत पड्डा मेन लीड के लिए फाइनल थीं। कुछ समय पहले ही फिल्म में विशाल जेठवा की बतौर लीड एक्टर एंट्री हुई।

अब खबर आ रही है कि अनीत पड्डा और विशाल जेठवा के बाद फिल्म में एक और एक्टर की एंट्री हुई है जो हॉरर थ्रिलर में खलनायक की भूमिका निभाएंगे।

वेरायटी इंडिया के मुताबिक, शक्ति शालिनी में खलनायक की भूमिका निभाने वाले यह अभिनेता कोई और नहीं, बल्कि विनीत कुमार सिंह हैं। विक्की कौशल स्टारर छावा और सनी देओल की जाट में अपनी दमदार परफॉर्मेंस से ऑडियंस का दिल चुराने वाले विनीत कुमार सिंह अब अनीत पड्डा की फिल्म में खलनायक की भूमिका निभाएंगे। विनीत कुमार सिंह ने आदित्य सरपोतदार की शक्ति शालिनी की शूटिंग भी शुरू कर दी है।

सलाम वेंकी के बाद शक्ति शालिनी में साथ नजर आने वाले विशाल जेठवा और अनीत पड्डा की साथ में फिर से केमिस्ट्री देखने को मिलेगी। अभी सिर्फ फिल्म का टाइटल रिवील हुआ है, कहानी के बारे में कुछ भी नहीं बताया गया है। बात करें फिल्म की रिलीज डेट की तो पहले यह 24 दिसंबर को बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली थी, लेकिन ऐसी चर्चा है कि फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन हो सकती है क्योंकि इसी दिन शाह रुख खान की फिल्म किंग भी रिलीज हो रही है।

महाकाली में शुक्राचार्य का किरदार निभायेंगे अक्षय खन्ना, शेयर की सेट की तस्वीर

अक्षय खन्ना इन दिनों काफी चर्चा में हैं। उनकी फिल्म धुरंधर में रहमान डकैत का किरदार लोगों को बहुत पसंद आया है। अब उनकी अगली फिल्म महाकाली को लेकर भी फैंस में काफी उत्साह है।

धुरंधर में रहमान डकैत के किरदार से अक्षय खन्ना ने सभी का दिल जीत लिया। धुरंधर के बाद अब वह साउथ फिल्म महाकाली में नजर आएंगे। 28 मार्च को अक्षय खन्ना के जन्मदिन के मौके पर फिल्म निर्माता प्रशांत वर्मा ने महाकाली फिल्म के सेट से एक खास तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में अक्षय खन्ना शुक्राचार्य के रूप में नजर आ रहे हैं।

प्रशांत वर्मा ने अक्षय को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, जन्मदिन मुबारक हो अक्षय खन्ना सर। आप एक सच्चे अभिनेता हैं। आपने साबित कर दिया कि असली प्रतिभा को शोर-शराबे की जरूरत नहीं होती। आपकी सहज उपस्थिति और दमदार अभिनय हमेशा अलग दिखता है। आपके साथ काम करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। जल्द ही हम दर्शकों को बताएंगे कि हमने साथ मिलकर क्या बनाया है। अक्षय खन्ना फिल्म महाकाली में हिंदू पौराणिक कथा के प्रसिद्ध असुर गुरु शुक्राचार्य का किरदार निभा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन पूजा कोल्लुरु कर रही हैं। यह फिल्म प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसमें पहले 2024 में हनुमान फिल्म आई थी। आगे जय हनुमान और अधिरा जैसी फिल्में भी आने वाली हैं। यह अक्षय खन्ना की तेलुगु सिनेमा में पहली फिल्म है। फिल्म में मुख्य भूमिका (महिला सुपरहीरो) भूमि शेट्टी निभा रही हैं। महाकाली 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अक्षय खन्ना सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा की फिल्म इक्का में भी नजर आने वाले हैं। इसमें अक्षय मुख्य खलनायक की भूमिका करेंगे। फिल्म में सनी देओल, दीया मिर्जा, तिलोत्तमा सोम और संजीदा शेख भी हैं। यह फिल्म सीधे नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

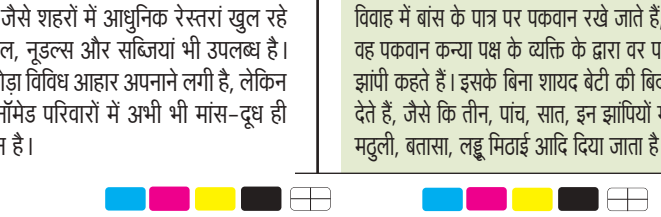

अजब-गजब | ये है दुनिया का अनोखा देश, यहां इंसानों से ज्यादा है पशुओं की संख्या

इस देश में चाय से सस्ता है मीट सुबह-शाम सिर्फ मांस खाते हैं लोग

भारत में आज भी ज्यादातर घरों में नॉन-वेज कभी-कभार ही बनता है। छुट्टियों में या किसी त्यौहार में या दोस्तों के आ जाने पर लोग मांस पकाते हैं। लेकिन अगर आपको लगता है कि मांस महंगा खाना है तो एक बार मंगोलिया के बारे में जान लीजिये।

इस देश में मटन और बीफ का मांस कई बार चाय या कॉफी के कप से भी सस्ता पड़ता है। मंगोलिया वह देश है जहां इंसानों से कहीं ज्यादा पशु हैं और लोग सदियों से मांस-दूध आधारित आहार पर जी रहे हैं। मंगोलिया की आबादी करीब 35 लाख है, लेकिन यहां पशुओं की संख्या 50-70 मिलियन से ऊपर बताई जाती है। यानी हर व्यक्ति पर औसतन 15-20 पशु आते हैं। इसमें भेड़, बकरी, गाय, घोड़े और ऊंट शामिल है। ये सब घास के मैदानों में घूमते रहते हैं। नॉमेडिक जीवनशैली के कारण यहां मांस की भरपूर उपलब्धता है, जिससे इसके दाम बहुत कम रहते हैं। सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हैं जिनमें दावा किया गया है कि मंगोलिया में मांस कॉफी से भी सस्ता है।

मंगोलिया की पारंपरिक डाइट में रोटी या चावल बहुत कम जगह रखते हैं। यहां के लोग मुख्य रूप से रेड फूड (मांस) और व्हाइट फूड (दूध के उत्पाद) पर निर्भर रहते हैं। सर्दियों में तो पूरा आहार मांस पर

आधारित होता है क्योंकि ठंड से बचने के लिए कैलोरी की जरूरत ज्यादा होती है। एक अध्ययन के अनुसार मंगोलिया में प्रति व्यक्ति मांस की खपत दुनिया में सबसे ऊंचे स्तर पर है। लाल मांस (मटन, बीफ, घोड़े का मांस) का रोजाना सेवन बहुत अधिक होता है। ग्रामीण इलाकों में लोग सुबह मांस का सूप या उबला हुआ मटन, दोपहर में मांस से बने व्यंजन और शाम को फिर मांस-दूध का कुछ ना कुछ जरूर खाते हैं। सब्जियां और फल बहुत कम इस्तेमाल होते हैं। मंगोलियाई व्यंजनों में प्रसिद्ध हैं। खोरखोग (पत्थरों पर पकाया गया मटन), उबला हुआ मांस (चानासन माख), सूखा मांस (बोर्ट्स) और विभिन्न प्रकार के दूध से बने उत्पाद जैसे एयराग (फर्मेंटेड घोड़े का दूध)। नॉमेड लोग गेर (यूर्त) में रहते हैं और बाहर ठंड में मांस को फ्रीजर की तरह इस्तेमाल करते हैं।

मंगोलिया का बड़ा हिस्सा स्टेपी और घास के मैदान है। यहां खेती कम होती है, पशुपालन मुख्य व्यवसाय है। पशु स्वाभाविक रूप से घास चरते हैं, इसलिए उनका पालन सस्ता पड़ता है। बाजार में ताजा मटन या बीफ का किलो कई बार स्थानीय मुद्रा में बहुत कम दाम पर मिल जाता है। वहीं चाय, कॉफी या अन्य आयातित चीजें महंगी पड़ती हैं क्योंकि इन्हें बाहर से लाना पड़ता है। शहरों में भी मांस बाजार सस्ता है। कई रिपोर्ट्स में कहा गया है कि मंगोलिया में मांस का दाम पश्चिमी देशों की तुलना में बहुत कम है। एक समय में यहां बीफ करीब 2 डॉलर किलो में मिलता था, हालांकि मौसम और पशु नुकसान से कभी-कभी दाम बढ़ जाते हैं। यह डाइट ऊर्जा और प्रोटीन से भरपूर है, जो कठोर मौसम के लिए जरूरी रही है। लेकिन आधुनिक अध्ययनों में चिंता जताई गई है कि मंगोलिया में लाल मांस की अत्यधिक खपत और सब्जियों-फलों की कमी से कुछ स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती है। फिर भी पारंपरिक जीवनशैली में लोग इसी डाइट पर स्वस्थ रहते आए हैं। आजकल उलानबातर जैसे शहरों में आधुनिक रेस्तरां खुल रहे हैं जहां चावल, नूडल्स और सब्जियां भी उपलब्ध है। युवा पीढ़ी थोड़ा विविध आहार अपनाने लगी है, लेकिन गांवों और नॉमेड परिवारों में अभी भी मांस-दूध ही मुख्य भोजन है।

सिर्फ सजावट नहीं, बांस है संस्कारों का आधार! रीवा की परंपरा का अनोखा सच

विवाह में आपने देखा होगा कि मंडप बांस से बनाया जाता है और बेटी की बिदाई और वधू के गृहप्रवेश में बांस के कई रंग बिरंगे बर्तन आते और दिए जाते हैं। मतलब वंश के वृद्धि का कार्य प्रारंभ होता है, एक दांपत्य जीवन प्रारंभ होता है, उसमें शुभ सूचक बांस को मानकर वहां मंडप के रूप में स्थापित किया जाता है। उसे देवताओं के रूप में पूजा जाता है। दान के रूप में लिया और दिया जाता है, बांस के पात्रों की इसलिए प्रधानता है। रीवा प्रसिद्ध लोग गायिका रीती सरगम पांडे कहती हैं कि बांस को जलाया नहीं जाता है, शास्त्रीय दृष्टि, वास्तु शास्त्र, धर्म-शास्त्र और अन्य पुराणों की मानें तो उसमें बांस वंश का स्वरूप माना गया है। जब माताएं गर्भ धारण करके शिशु को जन्म देती है तो जो नाडा होता है, उसे बांस के वृक्ष के बीच में गढ़ाया जाता है, ताकि उसका वंश वृद्धि होता रहे। बांस से बनी वस्तुओं का उपयोग तो वैसे सोलह संस्कारों में ही प्रधान माना जाता है। जन्म से लेकर विवाह और फिर मरण यह सारे संस्कार प्रमुख कहलाते हैं। कहा भी गया है, 'जन्म, विवाह, मरण गत होई, जहां जस लिखा तहां तस होई। अर्थात जब बच्चे का जन्म होता है तो आपने देखा होगा किस तरह से सूपा में उसे रखा जाता है, और वो सूपा बांस का बना होता है। जिसे अत्यंत पवित्र और पावन माना गया है। बांस का जो सूपा बनाया जाता है उसे अत्यंत पावन और पवित्र माना गया है। उसमें रखने से उस बच्चे के वंश में उत्तरोत्तर वृद्धि होती है। धर्म-शास्त्रों के अनुसार, बांस वंश वृद्धि का प्रतीक माना गया है। हर विवाह में आपने देखा होगा कि प्रारंभ में ही मंडप का उल्लेख है कि मंडप बनाया जाए और मंडप तो बांस से ही बनाए जाते हैं। मतलब वंश के वृद्धि का कार्य प्रारंभ होता है, एक दांपत्य जीवन प्रारंभ होता है, उसमें शुभ सूचक बांस को मानकर वहां स्थापित किया जाता है, उसे देवताओं के रूप में पूजा जाता है। विंध्य क्षेत्र के विवाह कार्यक्रम में बांस के बर्तन की प्रधानता है, शुक्लइया से लेकर के जब आप देखेंगे कि लावा परछाई की एक रस्म होती है, रिवाज होता है, उसमें छोटे-छोटे सूप बनाए जाते हैं जो वंशकार समाज से लेकर के लाई आदि रखकर के ब्राह्मण मंत्र वाचन करते हैं और उनका प्रयोग होता है। विंध्य क्षेत्र के विवाह में बांस के पात्र पर पकवान रखे जाते हैं, उन्हें अत्यंत पवित्र और पावन माना जाता है। वह पकवान कन्या पक्ष के व्यक्ति के द्वारा वर पक्ष को भेंट में दिया जाता है। बघेलखंड में उसे झांपी कहते हैं। इसके बिना शायद बेटी की बिदाई नहीं होती है। लोग अपने इच्छानुसार झांपी देते हैं, जैसे कि तीन, पांच, सात, इन झांपियों में मीठा पकवान भरा जाता है विंध्य क्षेत्र में करी, मठुली, बतासा, लड्डू मिठाई आदि दिया जाता है।

सबरीमाला मुद्दे पर पीएम क्यों चुप हैं : राहुल

नेता प्रतिपक्ष बोले- भाजपा और एलडीएफ में मिलीभगत

» मेरे खिलाफ 36 मामले दर्ज, एलडीएफ नेताओं की अनदेखी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व एलओपी राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वह केरल दौरे के दौरान सबरीमाला मुद्दे पर चुप रहे, जो साफ संकेत है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) साथ काम कर रहे हैं। अडूर में कांग्रेस की एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने दावा किया कि नौ अप्रैल के लिए निर्धारित विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भाजपा के गठजोड़ से मुकाबला करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा, हम एलडीएफ के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं, जिसे भाजपा का पूरा समर्थन प्राप्त है। एक तरफ संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) है और दूसरी तरफ माकपा-भाजपा का गठजोड़ है। उन्होंने आरोप लगाया कि केरल में भाजपा (एलडीएफ को फायदा पहुंचाने के लिए)गुपचुप तरीके से काम कर रही है।'' गांधी ने कहा, भाजपा यहां यूडीएफ को नहीं चाहती, क्योंकि वह जानती है कि राष्ट्रीय स्तर पर उसे चुनौती देने वाली एकमात्र ताकत कांग्रेस है। भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ हमारी वैचारिक लड़ाई है। पलक्कड़ में मोदी द्वारा दिए गए भाषण का जिक्र करते हुए गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री अक्सर मंदिरों और धर्म की बात करते हैं, लेकिन सबरीमाला मामले पर चुप रहे। उन्होंने कहा,वह सबरीमाला के बारे में बोलना भूल गए। उन्होंने भगवान अयप्पा मंदिर से जुड़े मुद्दों का जिक्र नहीं किया। इससे साफ है कि भाजपा और एलडीएफ साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि जहां विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियां कार्रवाई कर रही हैं, वहीं केरल में एलडीएफ नेतृत्व पर ऐसा कोई दबाव नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया,मेरे खिलाफ 36 मामले दर्ज किए गए हैं और मुझसे लगातार 55 घंटे तक पूछताछ की गई है। लेकिन केरल के मुख्यमंत्री या एलडीएफ नेताओं के खिलाफ ऐसी कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

पीएम चुनावी रूप से फायदा पहुंचाने वाले ही धार्मिक मुद्दों को उठाते हैं

कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री धार्मिक मुद्दों को तभी उठाते हैं, जब यह चुनावी रूप से उनके लिए फायदा पहुंचाने वाला होता है। उन्होंने कहा, उनके लिए अगर इससे वोट मिलते हैं, तो वह मंदिरों की बात करेंगे, अन्यथा चुप रहेंगे। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अगर यूडीएफ सत्ता में आती है तो मंदिर से संबंधित कथित अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

देश को बांटकर देश लूट रही है भाजपा : ममता बनर्जी

» अमित शाह के सियासी 'आरोपपत्र' पर जताई कड़ी आपत्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर समाज के सभी वर्गों के बीच झगड़ा कराने का आरोप लगाया और दावा किया कि वह इस स्थिति का फायदा उठाकर देश को लूटना चाहती है। मुख्यमंत्री ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल सरकार के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सियासी 'आरोपपत्र' पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, पहला आरोपपत्र उनके (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह) खिलाफ दाखिल किया जाना चाहिए, जिन्होंने दंगे भड़काकर सत्ता हासिल की।

उन्होंने पश्चिम मेदिनीपुर जिले में रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, भाजपा समाज के सभी वर्गों में झगड़ा करा रही है। वह ऐसी स्थिति का फायदा उठाकर देश को लूटना चाहती है। उन्होंने भाजपा पर प्रशासनिक व पुलिस सेवाओं तक सभी मामलों में हिंदू और मुसलमानों को बांटने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि सिविल सेवा के सदस्यों और उत्कृष्ट कार्य करने वालों समेत कई सरकारी अधिकारियों का अपमान किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि कई वरिष्ठ अधिकारियों को निर्वाचन आयोग की मांग पर भाजपा के दबाव में दूसरे चुनावी राज्यों में मनमाने ढंग से स्थानांतरित किया गया है।

आईपीएल में राजस्थान ने जीत से की शुरुआत

» वैभव और यशस्वी ने रखी जीत की नींव, चेन्नई के बल्लेबाजों ने किया निराश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी (52) और यशस्वी जायसवाल (38*) की तूफानी पारियों की मदद से राजस्थान रॉयल्स ने 128 रनों के लक्ष्य को 12.1 ओवर में हासिल कर लिया। इसी के साथ राजस्थान ने चेन्नई पर आठ विकेट से शानदार जीत दर्ज की। सोमवार को गुवाहाटी के बारसपारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में चेन्नई ने 19.4 ओवर में 10 विकेट पर 127 रन बनाए। जवाब में राजस्थान ने 12.1 ओवर में दो विकेट पर 128 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। राजस्थान ने टॉस जीतकर चेन्नई को बल्लेबाजी का न्योता दिया था। राजस्थान के गेंदबाजों ने बारिश की वजह से पिच को मिली नमी का पूरा फायदा उठाया और सीएसके के बल्लेबाजों पर कहर बनकर टूटे।

तेज गेंदबाज हों या फिर स्पिनर सीएसके के बल्लेबाजों के लिए आरआर के हर गेंदबाज को झेलना मुश्किल हो रहा था। संजू सैमसन और ऋतुराज गायकवाड़ सीएसके को मजबूत शुरुआत नहीं दे सके। टीम के शीर्ष 4 बल्लेबाजों में कोई भी दो अंकों में नहीं पहुंच सका। टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही और 19.4 ओवर में 127 रन पर सिमट गई। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए जेमी ओवरटन ने 43 रन बनाकर टीम का स्कोर 127 तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। 128 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान के लिए यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी ने पहले विकेट के लिए 6.2 ओवर में 75 रन जोड़कर जीत की मजबूत नींव रखी। वैभव ने 17 गेंदों पर 52 रन की पारी खेली। यशस्वी ने दूसरे विकेट के लिए ध्रुव जुरेल के साथ 24 रन की साझेदारी की। जायसवाल और रियान पराग ने नाबाद 29 रन की साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी। जायसवाल ने पारी में एंकर की भूमिका निभाई। वह 38 रन बनाकर नाबाद रहे।

पंजाब और गुजरात का मैच आज

नई दिल्ली। पिछले सीजन की उपविजेता पंजाब किंग्स आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी। पंजाब को आईपीएल 2025 के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। इसके साथ ही उनका पहली बार ट्रॉफी जीतने का सपना टूट गया। अब इस सीजन श्रेयस अय्यर की कप्तानी में वे पहला खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। पंजाब और गुजरात के बीच होने वाले मुकाबले के लिए पिच काफी अहम होने वाली है। आईपीएल में पिछले कुछ सीजन से बड़े-बड़े स्कोर देखने को मिले हैं। पहले दोनों मैचों में इस सीजन भी चारों पारियों में 200 से अधिक का स्कोर बना है। ऐसे में न्यू चंडीगढ़ में होने वाले इस मुकाबले के लिए पिच पर भी सभी की निगाहें रहने वाली हैं।

सोनिया गांधी की सेहत में सुधार अस्पताल से छुट्टी मिली, घर पहुंची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की सेहत में शानदार सुधार हुआ है और अब वह पूरी तरह सामान्य हैं। सोमवार को डॉक्टरों ने जानकारी दी कि उनके स्वास्थ्य संबंधी सभी पैरामीटर्स अब सामान्य सीमा के भीतर हैं। बुखार की शिकायत के बाद उन्हें 24 मार्च को दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. अजय स्वरूप ने बताया कि सोनिया को सिस्टमेटिक इंफेक्शन के लिए एंटीबायोटिक दवाएं दी जा रही हैं, जिनका उन पर बहुत अच्छा असर हो रहा है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि नसों के माध्यम से दी जाने वाली यह दवा अभी कुछ और दिनों तक जारी रहेगी। फिलहाल वह वरिष्ठ डॉक्टरों की एक टीम की कड़ी निगरानी में हैं और उनकी हालत पूरी तरह स्थिर बनी हुई है।

सोनिया को अस्पताल से छुट्टी देने का फैसला लिया गया। वहां घर पहुंच गई। डॉ. स्वरूप ने उनके डिस्चार्ज के बारे में कहा, मरीज और इलाज करने वाले चिकित्सक से चर्चा के बाद ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी देने का फैसला लिया। अन्यथा, वह पूरी तरह स्वस्थ हैं। एहतियात के तौर पर उन्हें अभी कुछ समय के लिए डॉक्टरों की देखरेख में रखा जा सकता है ताकि संक्रमण पूरी तरह खत्म हो सके।

इजरायल और यूएस को मिलेगी शिकस्त : महबूबा मुफ्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने ईरान के समर्थन में बड़ा बयान दिया है। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बात करते हुए दावा किया कि इस संघर्ष में जीत ईरान की ही होगी।

उन्होंने कहा कि ईरान के सैनिक अपनी जमीन के लिए डटे हुए हैं, जबकि विरोधी पक्ष पीछे हट रहा है। महबूबा मुफ्ती ने अपने बयान में कहा, ईरान शहादत के लिए लड़ रहा है। दूसरी ओर, अमेरिका और इजरायल के सैनिक भाग रहे हैं, लेकिन ईरान के सैनिक डटे हुए हैं। जीत ईरान की ही होगी।

दूबे को मानसिक चिकित्सक की जरूरत

» निशिकांत की बिजू पर टिप्पणी से भड़के ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजेडी अध्यक्ष नवीन पटनायक ने कहा कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व मुख्यमंत्री बिजू पटनायक के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए मानसिक चिकित्सक की आवश्यकता है। दुबे की टिप्पणी की निंदा करते हुए, बीजेडी प्रमुख ने विधानसभा के बाहर पत्रकारों से कहा, मुझे लगता है कि भाजपा सांसद को इन अपमानजनक बातों के लिए किसी मानसिक चिकित्सक की आवश्यकता है।

27 मार्च को एक बयान में दुबे ने दावा किया था कि 1960 के दशक में चीन के खिलाफ युद्ध के दौरान बिजू पटनायक पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और सीआईए के बीच कड़ी थे। पटनायक ने कहा कि मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि दुबे ने बिजू बाबू के बारे में कितनी आपत्तिजनक बातें कही हैं। मुझे नहीं लगता कि नेहरू ने दिल्ली में उनके कार्यालय के बगल में कोई कार्यालय खोला था, जब बिजू बाबू अभी भी ओडिशा के मुख्यमंत्री थे, ताकि चीनियों से लड़ने और रणनीति बनाने का काम किया जा सके। पुरानी यादों में खोते हुए उन्होंने कहा कि मैं उस समय बहुत छोटा था, लगभग 13 साल का, और मुझे याद है कि चीनी हमले को लेकर बिजू बाबू कितने गुस्से में थे और उसे रोकने के लिए उन्होंने क्या-क्या किया था।

भाजपा सांसद के बयान से मचा ओडिशा भर में हंगामा

दुबे के इस बयान से ओडिशा भर में हंगामा मच गया है। बिजू पटनायक के समर्थकों ने भाजपा सांसद पर चीनी युद्ध के इस मामले में उनका नाम घसीटने का आरोप लगाया है। एक वरिष्ठ बीजेडी नेता ने कहा कि कांग्रेस और नेहरू को दोषी ठहराने की कोशिश में भाजपा सांसद ने बिजू पटनायक का नाम लिया है। इस बीच, दुबे की टिप्पणी के विरोध में बीजेडी सांसद सस्मित पात्रा ने उनकी अध्यक्षता वाली संसदीय समिति से इस्तीफा दे दिया। कम से कम चार अन्य सांसदों - मानस मंगराज, सुभाशिश खुटिया, मुजीबुल्ला खान और निरंजन बिशी - ने भाजपा सांसद की आलोचना करते हुए उन पर ओडिशा के गौरव का अपमान करने का आरोप लगाया। बीजेडी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष देबी प्रसाद मिश्रा ने दुबे के बयान की कड़ी निंदा की और भाजपा सांसद से एक देशभक्त के खिलाफ इस तरह की अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए माफी मांगने की मांग की।

लड़ाई का 32वां दिन : और विध्वंसक होता जा रहा पश्चिम एशिया जंग

अमेरिका-इजरायल का ईरान पर बड़ा हमला, पूरा खाड़ी क्षेत्र दहला

इजरायल के मिसाइल हमले के बाद तेहरान में बिजली गुल

- सऊदी में भी ईरान ने दागा ड्रोन
- लेबनान में इजरायल के चार सैनिकों की मौत
- ईरान का इजरायल पर बड़ा साइबर अटैक, सिक्योरिटी कैमरे और 50 कंपनियों का डाटा किया हैक
- इजरायल के हमले में ईरान के 11 लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच छिड़ीं जंग का आज 32वां दिन है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया कि डोनाल्ड ट्रंप को ईरान दो बार मारने की कोशिश कर चुका है। इसबीच ईरान व अमरिका दोनों पीछे नहीं हट रहे है।

अमेरिका ने मंगलवार को ईरान में बंकर हमले में भारी तबाही मचाई । वहीं ईरान ने भी खाड़ी देशों व इजरायल में जवाबी हमले में कई तेल क्षेत्रों को मिसाइलों से तमहस-नहस कर दिया है। ईरान की न्यूज एजेंसी के मुताबिक, कल रात (30 मार्च) को मरकजी प्रांत के महल्लात शहर पर हुए हमले में 11 लोग मारे गए और 15 अन्य घायल हो गए।एजेंसी ने बताया कि महल्लात शहर में तीन आवासीय इकाइयों पर सीधे गोले दागे गए, जिससे भारी नुकसान हुआ। इसी क्रम में ईरान ने सऊदी के अल-खारज प्रांत ड्रोन दागा है, जिसे सऊदी की एयर डिफेंस सिस्टम ने नष्ट कर दिया। सऊदी के अल-खारज प्रांत ने बताया कि ड्रोन के दुर्घटनाग्रस्त होने से गिरे मलबे के कारण छह घरों को मामूली नुकसान हुआ है। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। ईरान ने इजरायल पर जोरदार हमला किया है। ईरान द्वारा किए इस हमले की इजरायली सैनिकों ने पुष्टि की है। इजरायल की राजधानी यरुशलम के ऊपर कम से कम 10 जगहों पर धमाके की आवाज सुनी गई है। इजरायल की सुरक्षाबलों का कहना है कि उसका एयर डिफेंस सिस्टम ईरानी मिसाइलों का जवाब दे रहा है, फिलहाल यरुशलम में सायरन बज रहे हैं। इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने मंगलवार को दक्षिणी लेबनान में अभियानों के दौरान चार इजरायली सैनिकों की मौत की पुष्टि की है। आईडीएफ ने यह भी कहा कि तीन सैनिक घायल हुए हैं।

ईरान सेना ने गिराया अमेरिका की एमक्यू-9 रीपर ड्रोन

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने मंगलवार को बताया कि ईरान की वायु सेना ने सेंट्रल ईरान के इस्फहान शहर के ऊपर अमेरिकी निर्मित एमक्यू-9 रीपर लंबी दूरी के ड्रोन को मार गिराया है।

सऊदी अरब ने इंटरसेप्ट किए 10 ड्रोन

सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक बीते कुछ घंटों में उनके एयर डिफेंस सिस्टम ने 10 ड्रोन को इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक क्षेत्र में चलाए जा रहे सुरक्षा ऑपरेशनों के बीच यह कार्रवाई की गई और सभी हवाई खतरों को समय रहते खत्म कर दिया गया।

दुबई में कुवैत तेल टैंकर पर किया हमला

कुवैत की सरकारी तेल कंपनी के हवाले से आधिकारिक समाचार एजेंसी ने बताया, संयुक्त अरब अमीरात के दुबई बंदरगाह के लंगरगाह क्षेत्र में मौजूद कुवैती के विशाल कच्चे तेल टैंकर पर ईरान ने जानबूझकर हमला किया। ईरानी हमले के कारण कुवैती तेल टैंकर में आग लग गई, हालांकि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

तेहरान में गुल हुई बिजली

ईरानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मंगलवार को तेहरान में विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं और राजधानी के कुछ हिस्सों में बिजली गुल हो गई। इजरायल के इस मिसाइल इस हमले के दौरान तेहरान शहर के पूर्व में स्थित एक विद्युत सबस्टेशन पर बिजली के छर्रे गिर गए, जिसके कारण बिजली सप्लाई बंद हो गई।

बंकर बस्टर बमों से ईरान में तबाही

अमेरिकी सेना ने इस्फ़हान में स्थित गोला-बारूद डिपो पर 2,000 पाउंड (लगभग 907 किलोग्राम) के बंकर-भेदी बमों से हमला किया। वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, एक अधिकारी ने बताया, हमले में भारी मात्रा में बंकर-भेदी बमों का इस्तेमाल किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को ईरान के इस्फ़हान में तड़के हुए एक भीषण विस्फोट का वीडियो साझा किया। वीडियो में कई विस्फोट होते दिख रहे हैं, जिसके बाद आसमान में नारंगी रंग की तेज आग लग जाती है और धुएं के गुबार उठते हैं। हालांकि, ट्रम्प ने वीडियो के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी, लेकिन दृश्य में इस्फ़हान में एक गोला-बारूद डिपो पर अमेरिकी-इजरायल हमले को दर्शाया गया है। इस्फ़हान 23 लाख लोगों का शहर है और यहीं ईरान का बदर सैन्य हवाई अड्डा भी स्थित है। रिपोर्टों के अनुसार, हमले के कारण कई शक्तिशाली विस्फोट हुए, जिससे पूरे क्षेत्र में आग के ऊंचे-ऊंचे गोले और झटके महसूस किए गए। इस हमले ने युद्ध के दूसरे महीने में प्रवेश करने के साथ ही तनाव बढ़ने की आशंकाओं को और बढ़ा दिया है, जबकि पाकिस्तान, मिस्र, सऊदी अरब और तुर्की राजनयिक समाधान खोजने के लिए बैठक कर रहे हैं।

होर्मुज पर नेतन्याहू ने सुझाया स्थाई समाधान ऊर्जा पाइपलाइनों का रास्ता बदलना चाहिए

इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दुनिया की ऊर्जा सप्लाई को सुरक्षित रखने के लिए एक सुझाव दिया है। उन्होंने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर निर्भरता कम करने के लिए ऊर्जा पाइपलाइनों का रास्ता बदलना चाहिए। नेतन्याहू के अनुसार, इन पाइपलाइनों को सऊदी अरब के रास्ते लाल सागर और भूमध्य सागर की तरफ ले जाना एक स्थायी समाधान हो सकता है। नेतन्याहू ने न्यूजमैक्स के साथ एक इंटरव्यू में बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान के पास है। इस वजह से ईरान जब चाहे वैश्विक ऊर्जा सप्लाई को खतरे में डाल सकता है। उन्होंने कहा कि सैन्य समाधान केवल कुछ समय के लिए स्थिरता दे सकता है। लेकिन अगर पाइपलाइनों का रास्ता बदल दिया जाए, तो ईरान की रणनीतिक ताकत कम हो जाएगी। नेतन्याहू का मानना है कि जमीन के रास्ते नए पाइपलाइन नेटवर्क बनाने से वैश्विक ऊर्जा बाजार पर ईरान का दबदबा खत्म होगा।

होर्मुज पर ईरान की नई नीति

इस बीच, ईरान की संसद की सुरक्षा समिति ने होर्मुज जलडमरूमध्य प्रबंधन योजना को मंजूरी दे दी है। ईरान की सरकारी मीडिया के अनुसार, इस योजना के तहत ईरान इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों पर टैक्स (टोल) लगाएगा। यह टैक्स ईरान की मुद्रा रियाल में लिया जाएगा। इस योजना में जहाजों की सुरक्षा, पर्यावरण की रक्षा और वित्तीय इंतजामों के कड़े नियम शामिल हैं। ईरान की इस नई योजना में साफ कहा गया है कि अमेरिका और इस्राइल के जहाजों को इस रास्ते से गुजरने की अनुमति नहीं मिलेगी। साथ ही, उन देशों के जहाजों पर भी रोक रहेगी जो ईरान पर एकतरफा पाबंदियां लगाते हैं। ईरान इस जलमार्ग पर अपनी संप्रभुता और सेना की भूमिका को मजबूत कर रहा है। इसके लिए वह ओमान के साथ मिलकर कानूनी ढांचा तैयार करने पर भी काम कर रहा है।

होर्मुज ट्रंप की गले की हड्डी बना

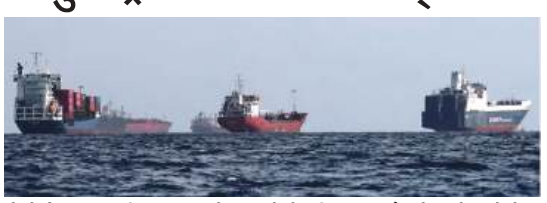

ये होर्मुज न हुआ जी का जंजाल हो गया, ये वो हड्डी बन गया है, जो ट्रंप के गले से न निगलते बन रही है और न ही उगलते, इजरायल और अमेरिका संग चल रही ईरान की जंग की वजह से तेल के जहाज होर्मुज पार नहीं कर पा रहे हैं, जिसका असर अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। तेल महंगा होने से अमेरिका के लोग भी गुस्से में हैं। ट्रंप ने पहले ईरान को धमकी दी कि अगर वह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज नहीं खोलेगा तो अमेरिका ईरान के ऊर्जा संयंत्रों और तेल के कुओं को उड़ा देगा। फिर अगले ही पल वह कहने लगे कि होर्मुज खोले बिना ही वह जंग खत्म करने को तैयार हैं। दुनिया को ये समय ही नहीं आ रहा कि ट्रंप आखिर चाहते क्या हैं।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा